5/5

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–21)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	GSM (M-I)-2421	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Karmveer Narwadi Mobile Number: ____________

Medium (English/Hindi): Hindi Reg. Number: ____________

Center & Date: MKNJ UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0805596

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और ~~अंग्रेजी दोनों~~ में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are TWENTY questions printed both in HINDI and ENGLISH.
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. प्राथमिक शैलों की विशेषताओं का वर्णन कीजिये। ये कितने प्रकार के होते है? (150 शब्द) 10
Outline the features and classifications of primary rocks. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्राथमिक चट्टाने पिघले हुए लावा या मैग्मा के जमने से बनती है, ये चट्टाने पृथ्वी के भूगर्भिक इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।

प्राथमिक चट्टानों की विशेषताएँ

(i) मैग्मा तेज से ठण्डी होता है तो बारीक दाने वाली चट्टान बनती है, अन्यथा दाने मोटे भी हो सकते है।

(ii) इनकी मूल संरचना पृथ्वी की पर्पटी पर निर्भर करती है, फिर भी इनमे क्वार्ट्ज, फेल्डसपार इत्यादि खनिज मिलते है।

(iii) क्रिस्टलों का निर्माण अच्छे तरीके से होता है।

(iv) ये चट्टानें प्रमुख चट्टान चक्र का आधार होती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(v) सामान्यत: इनकी संरंचना इंटरलॉकिंग की होती है। इनके कण आपस में कसाव से जुड़े होते है।

(vi) सामान्यत: जीवाश्मों की कमी होती है।

प्रकार

अन्तर्भेदी

मैग्मा ठण्डा होकर अन्दर ही जमा।

बहिर्वेदी

मैग्मा बाहर जमा हो जाता है

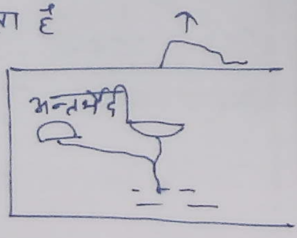

Ex- ग्रेनाइट, बेसाल्ट तथा ओब्सीडियन

प्राथमिक चट्टाने ग्रह के भू-वैज्ञानिक कारणो की पहचान मे योगदान देती है, साथ ही इनका चट्टान चक्र मे काफी महत्व है।

2. भारत सरकार अधिनियम 1858 ने ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को सत्ता हस्तांतरित कर दी। हालाँकि भारत में प्रचलित शासन प्रणाली पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और ये परिवर्तन कृत्रिम थे। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The Government of India Act 1858 transferred the power from the East India company to the British Crown. However, the system of government that prevailed in India was hardly affected. The changes made were artificial. Critically analyze. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1857 की क्रांति के बाद प्रथम सुधार के रूप मे भारत सरकार अधिनियम 1858 आया. इसका प्रभाव शासन सत्ता बदलने मे आया, जमीनी स्तर पर प्रभाव समान ही रहा।

G.O.I 1958 अधिनियम

(I) भारतीय परिषद की स्थापना कर दी गई जिसका प्रमुख ब्रिटिश सरकार का मंत्री होता था।

(II) सैन्य संरंचना में बदलाव किए।

(III) कंपनी कार्यो मे विभाजन किए।

(IV) व्यपगत सिद्धान्त को खत्म कर दिया।

(V) वायसराय की नियुक्ति की जाएगी।

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शासन प्रणाली पर कोई प्रभाव नहीं, ये परिवर्तन कृत्रिम थे

(i) परिवर्तन यह हुआ कि भारत ब्रिटेन का उपनिवेश बन गया लेकिन भारतीय स्थितियों मे शोषण परक नीतियाँ लागू रही।

(ii) लगातार किसान, जनजातियाँ, मजदूरों की शोषण व्यवस्था लागू रही।

(iii) ये परिवर्तन टॉप स्तर पर किए गए थे, निचले स्तर पर वही शोषण, भ्रष्टाचार लागू रहा।

(iv) सैन्य व्यवस्था के परिवर्तन अंग्रेजों के लाभ के लिए थे।

हालांकि 1857 के बाद अंग्रेज भारतीय धार्मिक नीतियों मे अनिवार्य हस्तक्षेप को कम करने लगे, तथा लोगों से प्रभावित नीतियों पर बल देते है क्योंकि उन्हें दूसरे विद्रोह से बचना था।

drishti दृष्टि The Vision

3. चक्रवात प्रवण क्षेत्रों के लिये IMD द्वारा जारी किये गए रंग कोडित मौसम चेतावनियों के महत्त्व पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Highlight the significance of colour coded weather warnings for cyclone prone areas given by IMD. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत के पास लगभग 7600 KM समुद्री सीमा है, साथ ही कुल क्षेत्रफल का लगभग 8% चक्रवात प्रभावित है। इसलिए जरूरी है कि Early waring System की प्रभावकारिता।

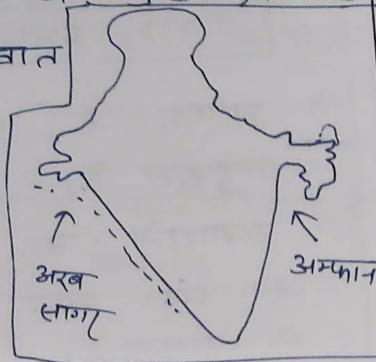

IMD → आपदा पूर्व सूचना के लिए 4 कोड प्रणाली को अपनाता है-

① Green → इसका अर्थ है, मौसम साफ रहेगा, कोई समस्या नहीं है।

② पीला → जागरूक रहे। (Be aware)

③ नारंगी → Be prepared (आपदा आ सकती है, तैयार रहे)

drishti | दृष्टि The Vision

Red → Take action

कार्यवाही पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए।

IMD द्वारा Colour Code का महत्व

(I) आपदा के pro active approch के अनुकूल है।

(II) संसाधनों का बेहतर प्रबंधन तथा जन- धन- माल की हानि को कम किया जा सकता है। Ex- अम्फान मे ओडिशा।

(III) NDMA तथा SDMA के साथ NDRF को चेतावनी तथा निर्देश मिल जाते है।

(IV) Nature Based Solution की तरफ जनजातियाँ जा सकती है।

(V) अवसंरचनात्मक घाटे को प्रबंध किया जा सकता है।

IMD की रंग प्रणाली से आपदा प्रबंधन की तैयारियाँ बेहतर की जा सकती है।

drishti | दृष्टि The Vision

4. वैदिक काल ने साहित्य, धर्म और दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Vedic period has contributed immensely to various fields such as literature, religion and philosophy. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैदिक काल 1500 से 1600 ई.पूर्व भारत मे था, जहाँ वैदिक संस्कृति उत्पन्न हुई, यह वैदिक धर्म के पालन तथा रचना के लिए प्रसिद्ध थी।

वैदिक काल का साहित्य, धर्म और दर्शन मे योगदान

साहित्य

* चार वेद → ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद तथा अथर्ववेद की रचना की गई जिसमें नैतिक सिद्धान्तों तथा मनुष्य जीवन की सार्थकता को व्यक्त किया गया है।

* इसके साथ ही सूत्र साहित्य, आरण्यक उपनिषद, पुराण तथा स्मृतियाँ की रचना की गई। उपनिषद तो आज भी समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करते है।

drishti | दृष्टि The Vision

धर्म

वैदिक धर्म मे प्रार्थना तथा यज्ञ अनुष्ठानों का काफी योगदान था इसमें पूजा पद्धतियों का भी वर्णन था। इसके साथ ही धर्म का उद्देश्य कर्तव्यपालन भी था। इसकी भी महत्वपूर्णता विद्यमान थी।

दर्शन

बहुदेववाद मौजूद था, जहाँ अलग-अलग देवताओं की पूजा की जाती थी। साथ ही कर्म का पारलौकिक वर्णन भी मिलता है। इसके साथ ही ब्राह्मण धर्म को महत्वपूर्णता से उठाया गया है। महिलाएँ लगभग पुरूषों के समकक्ष है।

वैदिक काल धर्म, साहित्य तथा दर्शन के प्रभाव से काफी समृद्ध था। यही कारण है कि इनका अध्ययन आज भी जारी है।

drishti | दृष्टि The Vision

5. 'दक्कन ट्रैप' पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन क्षमता धारित करता है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The 'Deccan Trap' holds substantial natural resource potential. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दक्कन ट्रैप परिचय मध्य भारत मे ज्वालामुखी स्थल है जिसकी महत्वपूर्ण भूमिका इसके प्राकृतिक संसाधनों को लेकर है।

दक्कन ट्रैप: प्राकृतिक संसाधन

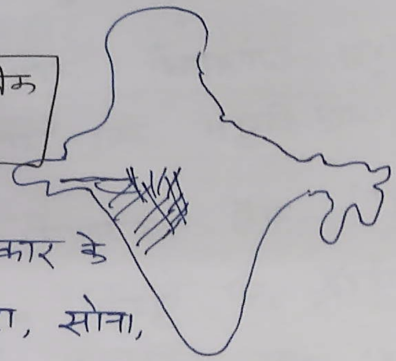

(i) यहाँ अनेक प्रकार के खनिज जैसे- लोहा, सोना, मैंगनीज के निक्षेप मिले है।

(ii) कृषि के लिए कपास मे उपयुक्त काली मृदा का उपयुक्त स्थान है।

(iii) महाराष्ट्र मे ट्रैप मे भूतापीय ऊर्जा स्थल 'जलगाँव' मौजूद है।

(iv) दक्कन ट्रैप मे कोयला के निक्षेप भी मिले है।

(v) प्राकृतिक गैस तथा तेल की उपलब्धता भी प्रारम्भिक जाँचों मे पाया गया है।

(vi) अनेक किसानों के लिए आर्थिक महत्व रखता है।

(vii) गोदावरी तथा कृष्णा नदियों के कारण जल विद्युत का महत्व है।

(viii) यहाँ इमारती लकड़ी तथा औषधीय पौधों से युक्त वन पाए जाते है।

(ix) दक्कन ट्रेप से निकलने वाली नदियाँ लोगों के लिए पीने तथा कृषि में जल उपयोग के लिए लाभदायक है।

दक्कन ट्रेप की संधारणीयता को ध्यान रखते हुए प्राकृतिक संसाधनो का मानव कल्याण मे प्रयोग करना चाहिए।

6. ब्रिटिश आर्थिक नीतियों ने भारतीय पारंपरिक उद्योगों और कृषि को किस प्रकार नुकसान पहुँचाया? (150 शब्द) 10

Explain how British economic policies hurt the Indian traditional industries and agriculture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश आर्थिक नीतियों का प्रमुख उद्देश्य सिर्फ लाभ कमाना था, जिससे भारतीय पारम्परिक उद्योग और कृषि बुरी तरीके से प्रभावित हुए।

पारंपरिक उद्योगों पर प्रभाव

(i) स्थानीय कारीगरों को राजाओं द्वारा दिया जाने वाला समर्थन बंद हो गया, जिससे ये उद्योग प्रभावित हुए।

(ii) कच्चे माल को इंग्लैण्ड तथा अन्य जगह भेज देने से उद्योगो मे कमी पड़ गई।

(iii) उद्योगों से निर्मित उत्पाद पर ज्यादा कर लगाया जाता था जिससे निर्यात मे भारी गिरावट आई।

(iv) आर्थिक नीतियों मे ब्रिटेन मे उत्पादित

उत्पादों को सस्ते मे बेचा गया जिससे पारम्परिक उद्योगों को हानि हुई।

कृषि पर प्रभाव

(I) कृषि पर अत्यधिक बोझ बढ़ा।

(II) कृषि मे वाणिज्यीकरण के कारण खाद्य उत्पादन में कमी आ गई जो अकाल के प्रभाव को बहुगुणित कर रहा था।

(III) किसानों के उपर भारी कर लगाए जिससे आर्थिक स्तर पर काफी प्रभावित हुए।

(IV) किसानों की निर्भरता विदेशी बाजारों के साथ हो गई।

(V) उत्पादों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा था।

सामान्यतः यह स्थितियाँ औद्योगीकरण को पैदा करती है लेकिन ये परिस्थितियाँ जान-बूझकर कम्पनी की नीतियों का प्रभाव था। जिससे कारीगीरो तथा किसानों मे विद्रोह का भाव उत्पन्न हुआ।

7. विवाह की पारंपरिक पद्धति पर 'समलैंगिक विवाह' के प्रभावों का अन्वेषण कीजिये। (150 शब्द) 10
Explore the impact of 'same-sex marriage' on the traditional institution of marriage. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

माननीय उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में समलैंगिक विवाह को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया। यह पद्धति विवाह की पारंपरिक पद्धति को दोनो प्रकार से प्रभावित करती है।

नकारात्मक रूप से

(I) सोसाइटी मे विवाह संस्कार का खत्म होना।

(II) बच्चों के अधिकार से संबधित मुददें।

(III) प्रकृति के नियमों के विरुद्ध।

(IV) सोसाइटी के अन्य लोगों को भी प्रमोट किया जाएगा।

(V) लोगों मे सामाजिक स्वीकृति न के बराबर।

(VI) विवाह व्यवस्था मे तलाक, उत्तराधिकार से जुड़े मुद्दे।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सकारात्मक रूप से

(I) समलैंगिक विवाह आधुनिक मूल्यों के अनुरूप सही है।

(II) काफी विदेशी देशों मे इसे स्वीकृति मिली है। जैसे- न्यूजीलैण्ड, इंग्लैण्ड

(III) व्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुरूप। Eg → Art 21 → पार्टनर चुनने का अधिकार।

(IV) समलैंगिकता कोई बीमारी नहीं है।

(V) धीरे- धीरे सोसायटी भी जागरूक तथा इसे अपना रही है।

समलैंगिक विवाह विवाह व्यवस्था को प्रभावित करते है लेकिन यह आधुनिक मूल्यों के अनुरूप है, इसे प्रमोट न किया जाना चाहिए लेकिन समलैंगिक लोगों की निजता का हनन भी नहीं किया जाना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

8. भारत पवन ऊर्जा की पर्याप्त क्षमता रखता है, लेकिन इसका स्थानिक वितरण सीमित है। वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10
India has substantial wind energy potential, but its spatial distribution is limited. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत लगभग 444 GW total Installed Capacity रखता है उसमे लगभग 46 GW पवन ऊर्जा से आती है जो 9% के आस-पास है। भारत पवन ऊर्जा मे विश्व मे 4th स्थान पर है।

पवन ऊर्जा की पर्याप्त क्षमता

→ National Institute of WIND Energy के अनुसार भारत की लम्बी तट रेखा, भौगोलिक स्थिति तथा on-shore तथा off shore स्थितियाँ पवन ऊर्जा मे पर्याप्त क्षमता के अनुकूल है जो लगभग 200 GW से भी अधिक है।

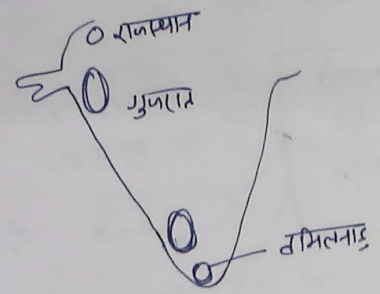

कुछ प्रमुख Hotspot of wind energy

→ पवन ऊर्जा से संबंधित तकनीकी उपकरणों का उत्पादन। (सौर ऊर्जा के विपरीत)

स्थानिक वितरण सीमित

→ पवन ऊर्जा की ज्यादा क्षमता तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक क्षेत्रों मे है। यह हिमाचल प्रदेश, हरियाणा राज्यों मे प्रभावी नही है।

इससे जुड़े कारण
- अतरी ज्यादा भू-स्खलन तथा भूकम्प के प्रति सुभेद्य
- Land की avaliability
- Geographical कारण भी हो सकता है।

Wind energy के लिए प्रयास
- Integrated/Hybrid Solar park
- National offshore wind policy
- 100% FDI
- पंचामृत के अनुकूल

पवन ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाकर भारत 2070 तक Net Zero emmission को प्राप्त कर सकता है।

9. गृह से कार्य (वर्क फ्रॉम होम) से पारिवारिक परिदृश्य पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Explore the positive and negative impacts of work-from-home on family dynamics. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

COVID-19 की महामारी के दौरान "work from Home" की संस्कृति को बढ़ावा मिला, जिसका प्रभाव पारिवारिक परिदृश्य पर पड़ा।

सकारात्मक प्रभाव

(i) महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। कृषि मे पुरुष भी महिलाओं के साथ कार्य करने लगे।

(ii) संयुक्त परिवार से कम एकल परिवार से अधिक मध्यवर्ती स्तर के नए रिश्ते बनने लगे, बच्चों का सर्वांगीण विकास हुआ।

(iii) वृहद जनसंख्या तथा पुथ का सम्पर्क बढ़ा जिससे नैतिक मूल्यों का विकास हुआ।

(iv) महिलाओं की निर्णय निर्माण भागीदारी में वृद्धि हुई।

drishti दृष्टि The Vision

नकारात्मक प्रभाव

(i) महिलाएँ → दोहरा बोझ का प्रभाव
→ हिंसा के प्रति सुभेद्य। (UNODC)
→ तनावपूर्ण वैवाहिक संबंध।

(ii) बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई।

(iii) moon Lighting जैसी प्रथाओं ने मानसिक विकार को पैदा किया।

(iv) सामासिक संस्कृति पर खतरा पैदा हो गया।

Work from Home ने पारिवारिक व्यवस्था पर सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभाव दोनो डाले, लेकिन यह जरूर सिद्ध हुआ कि महिलाएँ आज भी समाज में सुरक्षित नहीं हो पाई है। (UNODC रिपोर्ट)

drishti दृष्टि The Vision

10. गुप्त काल में कालिदास के साहित्यिक महत्त्व और योगदान पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
Discuss the literary significance and contributions of Kalidasa of the Gupta period. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कालिदास गुप्त काल के दरबारी कवि थे। उन्होंने अनेक साहित्यिक ग्रंथों की रचना की।

प्रमुख
- अभिज्ञान शाकुन्तलम्
- विक्रमोवर्शीयम्
- मालविकाग्निमित्रम्

साहित्यिक महत्व

(i) संस्कृत में साहित्य की रचना की।

(ii) विरह तथा प्रेम श्रृंगार की रचना की।

(iii) शासन के प्रति नैतिक मूल्यों का समावेशन किया गया।

(iv) अनेक नाटकों तथा रचनाओं से साहित्य प्रतिमान स्थापित किए।

(v) लोगों में जागरूकता का प्रचार-प्रसार किया।

महत्व तथा योगदान

(i) कालिदास ने साहित्यक ग्रंथों की व्याख्या की तथा मूल रचनाओं मे फालती तथा समकालीन मूल्यों को शामिल किया।

(ii) दर्शन के विविध रूपों को प्रस्तुत किया।

(iii) साहित्य को जनसमूह से जोड़ा।

(iv) लोगों मे विशेष जन-जागृति की भावना का प्रसार किया।

कालिदास के नाटक आज भी मंचित किए जाते हैं तथा प्रासंगिकता बनी हुई है।

11. महासागरीय धाराओं को निर्धारित करने वाले कारकों एवं वैश्विक मत्स्य उद्योग पर इसके प्रभावों का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that determine ocean currents and their influence on the global fishing industry. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महासागर के जल का निश्चित तथा सतत् प्रवाह को महासागरीय धारा कहते हैं। ये धाराएँ जलवायु पर प्रभाव के कारण मानव जीवन तथा मत्स्य उद्योग को प्रभावित करती है।

प्रभावित करने वाले कारक

प्राथमिक
- → सौर ऊर्जा
- → हवा
- – गुरुत्वाकर्षण
- – कोरिओलिस बल

द्वितीयक
- → जल घनत्व
- → जल का तापमान

प्राथमिक

(i) सौर ऊर्जा का अत्यधिक मान के कारण जल प्रसार होता है, यही कारण है कि भूमध्य रेखा पर जल स्तर

drishti | दृष्टि The Vision

उष्णन से अधिक होता है जिससे ढलान का निर्माण होता है।

हवा → समुद्र की सतह पर बहने वाली हवा पानी को गति प्रदान करती है।

गुरुत्वाकर्षण → यह पानी को नीचे खींचता है जिससे ढाल पैदा होती है।

कोरिओलिस बल → दक्षिणी गोलार्द्ध मे बॉयी ओर, वही उत्तरी गोलार्द्ध मे दॉयी ओर

द्वितीयक

Ⓐ जल घनत्व → अधिक घनत्व वाला जल नीचे जमेगा। हल्का ऊपर आएगा।

Ⓑ जल का तापमान

गर्म जल धारा ध्रुवों की ओर तथा ठण्डी भूमध्य रेखा की तरफ बहती है।

महासागरीय धारा : मत्स्य उद्योग पर प्रभाव

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

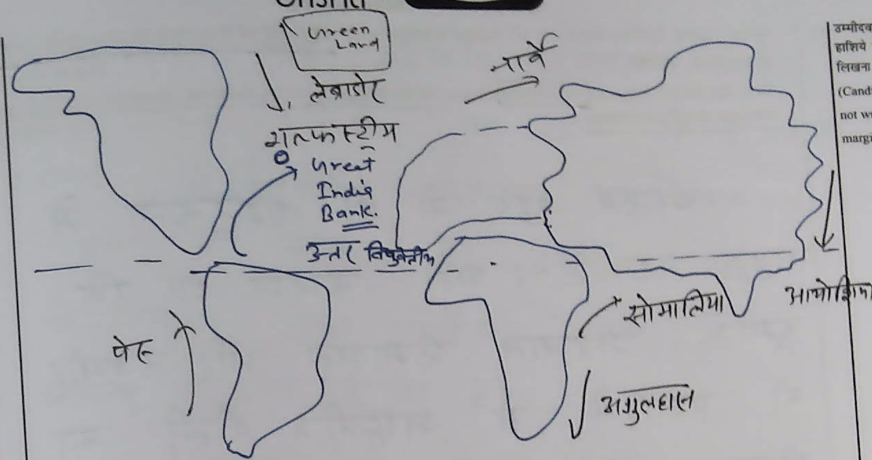

Great ~~Ba~~ Grand land → लेब्राडोर तथा गल्फस्ट्रीम के बनने से बनता है जो प्रमुख मत्स्यन उद्योग में स्थान रखती है।

प्रभाव → ① मत्स्यन के लिए पोषक तत्व तथा जलवायु उपलब्ध करवाना।

② स्थितियाँ अनुकूल रखना।

③ जलीय कृषि के अनुकूल क्षेत्र।

④ ज्यादातर धुंध भरा मौसम रहता है।

महासागरीय धारा मत्स्यन उद्योग के लिए जीवनदायिनी है। जलवायु परिवर्तन के कारण इनका प्रवाह बाधित हुआ है जिसे नियंत्रित करना चाहिए।

drishti | दृष्टि The Vision

12. कुमाऊँ, गढ़वाल, हिमाचल और कश्मीर की पहाड़ियों में वास्तुकला की अद्वितीय शैलियाँ किस प्रकार विकसित हुई हैं? उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did unique forms of architecture develop in the hills of Kumaon, Garhwal, Himachal and Kashmir? Enumerate with examples. (250 words) 15

भारत शुरू से ही वास्तुकला में समृद्ध रहा है। यही कारण था कि कुमाऊँ, गढ़वाल, हिमाचल और कश्मीर की पहाड़ियों मे अद्वितीय शैली का विकास हुआ।

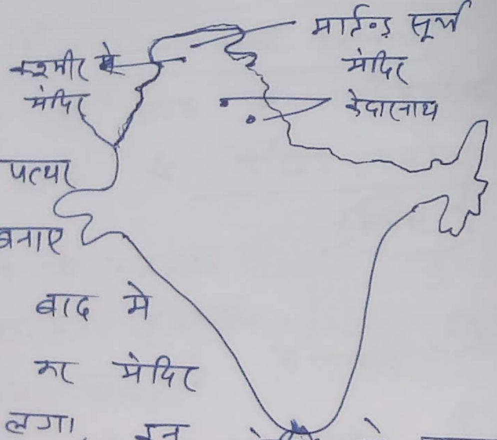

कश्मीर मे पत्थर काट कर मंदिर बनाए गए थे लेकिन बाद मे पत्थरों को जोड़ कर मंदिर बनाया जाने लगा, इन मंदिरों मे प्रारम्भ मे ही अनेक मूर्तियों का प्रयोग किया जाता था साथ ही कई जगह पानी का प्रयोग होता था। सामान्यतः इन्हें जगती पर बनाया जाता था।

Ex- कश्मीर में मार्तण्ड सूर्य मंदिर

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कुमाऊँ तथा गढ़वाल हिमालय भारत मे अनेक नदियों का स्रोत रहे है जिससे इनकी सांस्कृतिक महत्वता का आकलन किया जा सकता है। इसलिए यहाँ केदारनाथ तथा गंगोत्री धाम का निर्माण किया गया है।

यहाँ भी ऊँची जगती के मंदिर निर्माण किए है तथा स्तंभों से सुशोभित किया है।

यहाँ भी चित्रकला शैली कुमाऊँ तथा गढ़वाली शैलियों का विकास हुआ जो बारहमासा वर्णन को प्रस्तुत करती है तथा भागवद् गीता तथा रामकथा का सहारा लिया गया।

drishti | दृष्टि The Vision

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत में दलीय-राजनीतिक पंथनिरपेक्षता ने संवैधानिक राजनीतिक पंथनिरपेक्षता के सिद्धांतों को किस तरह से कमज़ोर किया है? (250 शब्द) 15

In what ways has party-political secularism undermined the principles of constitutional political secularism in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विधि आयोग की 267 वी रिपोर्ट के अनुसार दलीय राजनीति ने पंथनिरपेक्षता को कमजोर किया है।

संवैधानिक राजनीतिक पंथनिरपेक्षता।

(i) सभी को एक वोट का अधिकार।

(ii) ~~वोट देते समय~~ Model Code of Conduct को लागू करना।

(iii) जाति, धर्म, पंथ से प्रभावित ना होते हुए स्वतंत्रता का अधिकार।

(iv) सभी धर्मों को सुरक्षा प्रदान की जाती है।

(v) धार्मिक प्रथाओ को अंतरण की स्वतंत्रता दी गई है।

(vi) दलीय राजनीतिक पंथनिरपेक्षता से संवैधानिक राजनीतिक पंथनिरपेक्षता को नुकसान

(i) दलों द्वारा जाति, धर्म इत्यादि का प्रयोग मत के लिए करना।

(ii) political leader द्वारा दूसरे धर्मों के प्रति Hate speech का प्रयोग।

(iii) राजनीतिक अपराधीकरण का बढ़ना।

(iv) लोगो में महिला - पुरुष से संबंधित पूर्वाग्रह का होना।

(v) अल्पसंख्यकों को पार्टियों द्वारा टिकट ना देना।

(vi) अल्पसंख्यको को डराने धमकाने का शासन।

(vii) बहुलता के शासन मे शोषणपरक व्यवस्था का निर्माण।

(viii) प्रशासन का प्रयोग किसी धर्म विशेष को लक्ष्य के लिए करना।

(ix) धर्म के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कुछ सुधार के प्रयास

(1) Model Code of conduct को लागू किया जाना चाहिए, चुनाव आयोग की शक्तियों में वृद्धि की जानी चाहिए तथा C-VIGIL app की प्रभावशीलता बढ़नी चाहिए।

(2) पंथनिरपेक्षता के विरुद्ध नीतियों के विरुद्ध न्यायालय को सख्त होना चाहिए।

eg → UP मे कावड़ियों के लिए फल विक्रेता का नाम।

(3) लोगों मे पंथनिरपेक्षता का मूल्य प्रसार किया जाना चाहिए तथा सामाजिक संस्कृति का निर्माण किया जाना चाहिए।

(4) कानूनी बलों का प्रयोग किया जाना चाहिए, प्रभावों, धार्मिक उन्मादों को रोकना चाहिए। विविधता वाले देश में संवैधानिक Secularism को आगे बढ़ाना चाहिए जिससे सभी का अधिकार सुनिश्चित हो।

drishti दृष्टि The Vision

14. रबड़ उत्पादन के वैश्विक वितरण पर चर्चा कीजिये और रबड़ उत्पादक देशों को प्रभावित करने वाले प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Discuss the global distribution of rubber production and highlight the major environmental issues affecting rubber producing countries. (250 words) 15

प्राकृतिक रबर Isoprene का बहुलक है जो प्राकृतिक यौगिक है। थाईलैण्ड रबर का सबसे बड़ा उत्पादक है। यह ज्यादातर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगता है।

वैश्विक वितरण

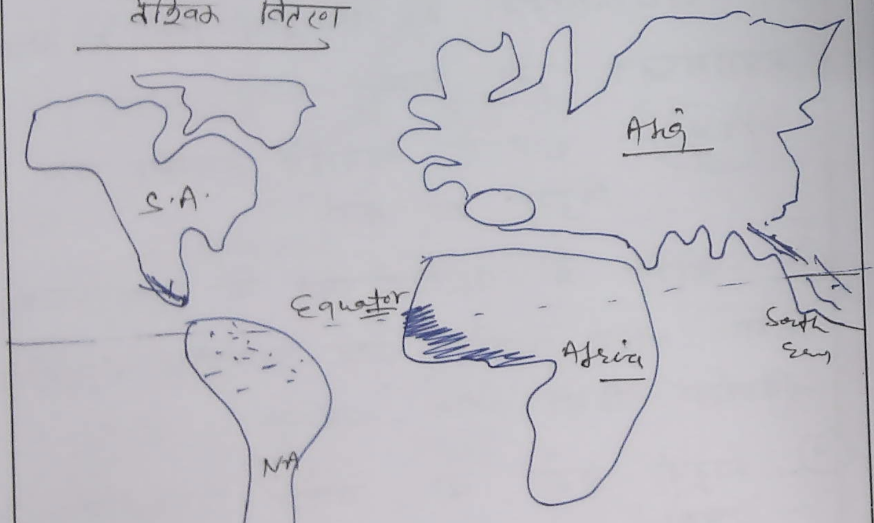

drishti दृष्टि The Vision

रबर ज्यादातर उष्णकटिबंधीय प्रदेशों में पाया जाता है, इसके लिए अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है, इसीलिए यह अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र तथा South East Asia में पाया जाता है।

प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे

(i) रबर बागानों ने प्राकृतिक वनों के लिए जल उपलब्धता काफी कम करदी है जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है।

(ii) लोगों ने प्राकृतिक वनों की जगह रबर के उत्पादन को बढ़ावा दिया है, जिससे [illegible] जैसे का खतरा बढ़ रहा है।

(iii) रबर उद्योग मिट्टी के क्षरण को प्रभावित करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(iv) जलवायु परिवर्तन को प्रभावित करते है।

(v) मानवाधिकार तथा शोषण संबंधी मुद्दे भी आए है क्योंकि यहाँ बाल श्रम प्रमुखतया से होता है।

(vi) जैव विविधता पर लगातार खतरा बना रहता है।

(vii) वित्तीय आय काफी कम होती है।

देशो को अब भी संधारणीय कृषि को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि समावेशी विकास हो सके।

drishti | दृष्टि The Vision

15. "भारत में वास्तविक महिला सशक्तीकरण को साकार करने के लिये कल्याण-आधारित दृष्टिकोण से प्रतिनिधि-आधारित दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन आवश्यक है।" संसद में हाल ही में पारित महिला आरक्षण अधिनियम के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

"Transitioning from a welfare-based approach to an agent-based approach is essential for realizing true women empowerment in India." Evaluate this statement in the context of the recently passed Women's Reservation Act in Parliament. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आर्थिक सर्वे मे महिला सशक्तिकरण के लिए agent based approch की तरफ ध्यान आकर्षित किया है। इसीलिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा तथा विधानसभा मे 33% आरक्षण उपलब्ध कराती है।

इसके लाभ

(i) महिलाओं स्वयं की नीतियों को खुद बना सकेगी, जिससे Gender sensitive मुद्दो पर आम-सहमति होगी।

(ii) महिलाओ की कोमलता, तथा संवेदना युक्त होना संधारणीय विकास को प्राथमिकता देता है।

(iii) welfare approach मे भागीदारी न के बराबर होती है, आरक्षण से 33% पदों की पूर्ति की जायेगी।

(iv) लोगों मे महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह कम होंगे।

(v) सांस्कृतिक पुनर्जागरण की तरफ एक कदम होगा।

हालांकि कुछ कई समस्याएँ भी हैं

(i) सरपंच पति जैसी समस्या का खतरा बना रहेगा।

(ii) महिलाओं मे विशेषज्ञता का अभाव का भी खतरा हो सकता है।

(iii) जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व में नुकसान हो सकता है।

क्या किया जाना चाहिए

women welfare → women Agent के लिए

(1) वित्तीय अधिकार → PMJDY, DBT तथा रोजगार के संसाधन उपलब्ध करवाने चाहिए।

(2) शिक्षा मे STEM मे भागीदारी बढ़नी चाहिए तथा उद्यमिता को सपोर्ट करना चाहिए।

(3) Stand up India, मुद्रा योजना की प्रभावशीलता बढ़ानी चाहिए।

(4) लोगो मे जागरूकता फैलानी चाहिए।

women Agent development शासन तथा प्रशासन के लिए काफी महत्वपूर्ण है तथा SDG-5 तथा 10 के अनुकूल है।

16. जलडमरूमध्य और स्थलडमरूमध्य (इस्थमस) वैश्विक व्यापार को कैसे प्रभावित करते हैं वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Explain how straits and isthmuses influence global trade. (250 words) 15

Straits जल मार्ग है जो बडे जल निकायों को जोड़ता है जो शिपिंग और परिवहन को सुविधाजनक बनाता है।

जैसे- मलक्का तथा जिब्राल्टर।

स्थलडमरूमध्य - बडे भू- भागों को जोड़ने वाली भूमि पट्टी जो व्यापार, परिवहन तथा भू- राजनीति को प्रभावित करती है।

Ex- स्वेज।

जलडमरूमध्य : वैश्विक व्यापार

(i) छोटे नौवहन मार्ग को उपलब्ध करवाती है जिससे धन तथा समय की बचत होती है।

(ii) यह वैश्विक व्यापार नेटवर्क को सुविधाजनक बनाता है तथा लगातार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जोड़ता है।

(iii) तेल, ऊर्जा, प्राकृतिक जैसे जैसे व्यापार को सुनिश्चित करते है जिससे विश्व की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।

(iv) यह Straits भू-राजनीतिक महत्व भी रखते है, इनके आस-पास ports का विकास होता है, साथ ही व्यापार को प्रभावित किया जाता है।

(v) कई जगह marine piracy भी प्रभावित की जाती है।

स्थलडमरूमध्य : वैश्विक व्यापार

(i) व्यापार मार्गों के लिए शॉर्ट कट प्रदान करता है।

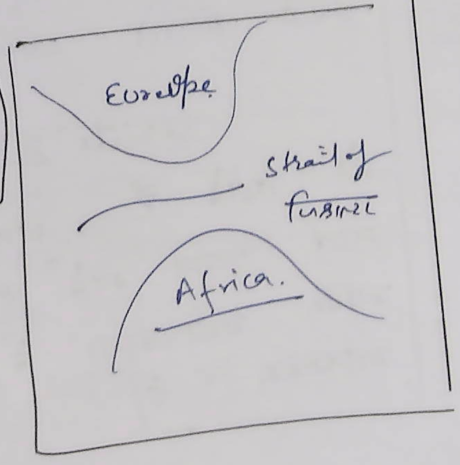

drishti | दृष्टि The Vision

(ii) इन क्षेत्रों मे अंतरमहाद्वीपीय व्यापारिक अवसंरचना निर्मित की जाती है जिससे आर्थिक निवेश को बढ़ावा मिलता है।

eg स्वेज

(iii) भूमि पारगमन गलियारे के निर्माण को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

(iv) ऊर्जा सुरक्षा तथा military logistic के व्यापार के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

(v) piracy के लिए कई जगह संवेदनशील क्षेत्र है जिससे व्यापार प्रभावित होता है।

Straits & isthmuses वैश्विक व्यापार को बढ़ाते है, साथ ही समय बचाने वाले मार्ग प्रदान करते है। जो विश्व की आर्थिक अर्थव्यवस्था के विकास के लिए आवश्यक है।

drishti | दृष्टि The Vision

17. दक्षिण-पूर्व एशिया की धार्मिक अभिव्यक्ति और स्थापत्य परिदृश्य को आकार देने में भारतीय संस्कृति की भूमिका पर चर्चा कीजिये और इस संदर्भ में क्षेत्र के विभिन्न देशों से उदाहरण भी दीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the role of Indian culture in shaping the religious expression and architectural landscape of Southeast Asia. Provide examples from different countries in the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत एक सांस्कृतिक विविधता वाला देश है, जहाँ बौद्ध धर्म, हिन्दू धर्म, बहुभाषी समाज मौजूद है जिसने दक्षिणी पूर्वी एशिया की धार्मिक अभिव्यक्ति व स्थापत्य को प्रभावित किया है।

धार्मिक अभिव्यक्ति तथा स्थापत्य मे भूमिका

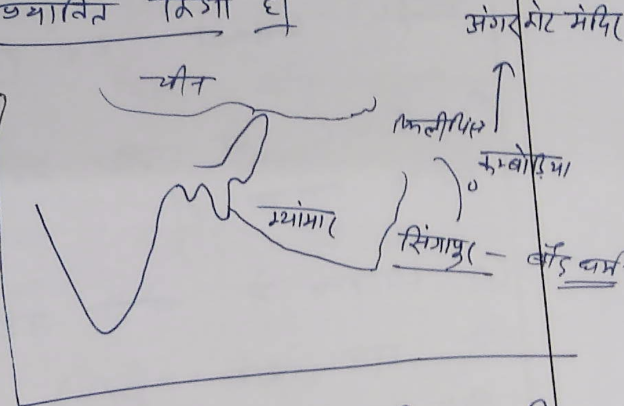

(1) यहाँ हिन्दू धर्म की काफी आबादी पाई जाती है जिससे यहाँ की रामायण आज भी महत्वत्ता रखती है।

eg → U.P मे थाईलैंड की रामायण

drishti | दृष्टि The Vision

(II) हिन्दू धर्म की मूर्ति गणेश जी के फोटो फिलीपिंस के नोट पर मिलती है।

(III) बौद्ध धर्म का प्रभाव यह हुआ कि इन देशों में कई का राजधर्म ही बौद्ध है।

(4) लगातार संस्कृतियों का people to people contact बना रहा है।

(5) I.V.C से आज तक कंटेन्यूटी को बनाया गया है।

(6) स्थापत्य में चोलों तथा अन्य राजाओं के समय यहाँ मन्दिरों के लिए चंदे दिए गए।

(7) अंगकोर का मंदिर कम्बोडिया में भारतीय स्थापत्य को दिखाता है।

(8) स्थापत्य में इंडो जगती पर स्तूप

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

का निर्माण तथा प्रदक्षिणा पथ का प्रयोग भारतीय संस्कृति से प्रभावित था।

(9) पशु प्रतीकों का प्रयोग इन देशों में ज्यादा किया जाता है वह भारत का ही प्रभाव था।

(10) अनेक बौद्ध विद्वानों ने इन देशों का दौरा किया जिससे बौद्ध साहित्य में अनेक प्रयास किए गए।

(11) अनेक जातक कथाओं को शामिल किया गया है।

(12) लोगों में भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि का भाव पैदा हुआ है।

भारत - दक्षिण-पूर्वी एशिया देशों के मध्य सांस्कृतिक एकता एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

18. "जितना अधिक मैं इस अवधि का अध्ययन करता हूँ, उतना ही अधिक मैं आश्वस्त होता हूँ कि सैन्य अक्षमता साम्राज्य के अंतिम पतन का मुख्य कारण था, यद्यपि यह एकमात्र कारण नहीं था" मुगल साम्राज्य के पतन के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

"The more I study the period, the more I am convinced that military inefficiency was the principal, if not the sole cause of empire's final collapse." Discuss the statement with reference to the fall of Mughal Empire. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on this margin)

मुगल काल मे बाबर, हुमायूँ से होते हुए अकबर तक मध्यकालीन भारत मे लगभग सम्पूर्ण भारत पर कब्जा कर लिया था। 14-15-16 वी सदी मे मुगलों का काफी वर्चस्व रहा।

लेकिन समय के साथ मुगलो का पतन शुरु हुआ जिसके निम्न कारण थे -

(i) सैन्य अक्षमता को महत्वपूर्ण माना जाता है जिसमे क्षेत्रीय राजाओं की सेनाऐ काफी सशक्त हो गई थी, और सेना मे आत्मप्रेरण की शक्ति कमजोर हो गई थी। अवसरों पर निवेश काफी कम किया गया। ~~लेकिन~~ यह कारण महत्वपूर्ण था लेकिन यह अकेला ही काफी नहीं था -

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए (Candidate must not write on this margin)

(ii) कमजोर उत्तराधिकारी का क्रम शाहजहाँ के बाद शुरु हो गया था अन्त मे तो सिर्फ शानो-शौकत के बादशाह रह गए थे।

(iii) कुलीन वर्गो के उदय से राजसत्ता की प्रभावशीलता कमजोर हुई।

(iv) क्षेत्रीय विकास के लिए विकेन्द्रीकरण की नीतियों के कारण लगातार क्षेत्रों में आन्तरिक विद्रोह हो रहे थे जिसका प्रभाव पड रहा था मुगल सत्ता की जड़ उखड़ रही थी।

(v) मुगलों के लिए धन या राजस्व स्रोत काफी कम हो गए थे जिससे वे आर्थिक तौर पर असहाय हो गए थे

drishti | दृष्टि The Vision

(vi) क्षेत्रीय राजाओ के साथ मुगल शासकों की सम्मान के विपरीत दुर्व्यवहार की नीतियां अपनाई गई।

(vii) लोगो मे धार्मिक विरोध शुरू होगया था।

(viii) मुहम्मद शाह रंगीला जैसे शासक डरपोक तथा अत्यधिक अकुशल थे, जिसका प्रभाव था कि मुगल परम्परा ध्वस्त हो गई।

मध्यकालीन भारत मे मुगलों का एकमात्र राज रहा, हालांकि बाद के शासकों ने अपनी सर्वोच्चता को धूल में मिला दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

19. क्षोभमंडल एक महत्त्वपूर्ण वायुमंडलीय परत है, जो मौसम प्रक्रियाओं को नियंत्रित करती है। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

The troposphere is a critical atmospheric layer that governs weather processes. Explain. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वायुमण्डल की सबसे निचली परत को क्षोभमण्डल कहा जाता है जो लगभग 8 से 15 किमी तक फैली होती है।

महत्वपूर्ण वायुमण्डलीय परत

(i) समुद्र मे 10 Km तक फैली रहती है।

(ii) अक्षांश के साथ तापमान मे परिवर्तन के साथ ऊँचाई मे परिवर्तन होता है। क्योंकि तापमान प्रवणता भूमध्य रेखा की तुलना मे ध्रुवो पर अधिक स्पष्ट होता है।

(iii) इस परत मे नाइट्रोजन तथा oxygen का घनत्व अधिक होता है।

(iv) सामान्यतः ऊँचाई के साथ तापमान मे कमी आती है।

(v) बादलों तथा वर्षा यहीं से होती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

क्षोभमण्डल: मौसम प्रक्रियाओं को नियंत्रित करना

① क्षोभमण्डल मे जल चक्र चलता रहता है, जिसमें जलवाष्प की सान्द्रता गर्म क्षेत्रों में अधिक पाई जाती है। जैसे ही सूर्य का प्रकाश से पानी वाष्पित होता है वहाँ बादल बनकर वर्षा होती है।

Eg.→ भूमध्यरेखीय क्षेत्रों मे लगातार वर्षा

② पृथ्वी की सतह के असमान तापन के कारण उच्च दाब तथा निम्न दाब की स्थितियाँ उत्पन्न होती है। पवन पैटर्न को यह प्रभावित करता है।

③ सामान्यतः लेप्स दर के अनुसार तापमान मे कमी आती है, इसी के अनुसार मौसम

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रक्रियाओं का पूर्वानुमान किया जा सकता है।

Eg. बैरोमीटर मे रीडिंग के माध्यम से

④ Smog के रूप मे वायुमण्डलीय प्रदूषण जो पर्यावरण मे होता है जिसमे NO_2 तथा जलवाष्प होती है, जो सूर्य के प्रकाश से क्रिया करके O_3 का निर्माण कर लेती है।

⑤ क्षोभमण्डल मे जलवाष्प की मात्रा पृथ्वी के तापमान तथा दाब को नियंत्रित करती है।

⑥ मौसमी पूर्वानुमान, फसल पारिस्थितिकी इत्यादि का अध्ययन क्षोभमण्डल से किया जा सकता है।

क्षोभमण्डल एक महत्वपूर्ण परत है। जिसका लगातार अध्ययन करने से मौसमी प्रणालियों का पूर्वानुमान लग जाता है।

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिये समर्थन जुटाने वाले पहले अखिल भारतीय संगठनों में से एक थी। हालाँकि इसकी स्थापना से पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न राष्ट्रवादी संगठन मौजूद थे। भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में उनके योगदान पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Indian National Congress was one of the first pan-India organizations to mobilize support for Indian national movement. However, even before its founding, various nationalist bodies did exist in different parts of the country. Highlight their contributions towards Indian Nationalist movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस की स्थापना 1885 मे M.N. रॉय के द्वारा की गई थी जिसमे दादा भाई नरोजी, बदरुदीन तैयब जी की अत्यधिक भूमिका थी।

समर्थन जुटाने के कारण: कॉग्रेस

(i) समावेशी कार्यों के प्रति बल। यह श्रमिक, किसान तथा अन्य वर्गों सभी के लिए लाभदायक थी।

(ii) सामान्यतः इसकी कार्यप्रणाली में शान्ति प्रमुख थी जिससे पूँजीपति वर्ग भी इससे जुड़ा।

(iii) दादा भाई नरोजी, R.C. दत्त इत्यादि ने धन के निकासी के सिद्धान्त को प्रमुख

drishti | दृष्टि The Vision

रूप पर लेकर आए, जिससे जनता जागृत हुई।

(iv) Local leaders का कॉग्रेस के प्रति अत्यधिक सम्मान की भावना मौजूद थी।

(v) प्रार्थना पत्र मे किसानों की समस्या तथा कर प्रथा को उठाया।

इसकी स्थापना से पहले संगठन

(1) Land holders Society → जमींदारों की समर्थक, एक ही वर्ग को आकर्षित कर पाई।

(2) British India Association → बंगाल तक ही सीमित रह गया।

(3) Independence league → बंगाल मे किसानो के मुद्दों पर प्रभावी योगदान लेकिन भारतीय किसानो की माँग नही उठाई।

(4) ब्रह्म समाज → राजनीतिक मुद्दों से जुड़ावनही

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन मे योगदान

(i) इन्होंने लोगों मे जागरूकता पैदा कि तथा राष्ट्रीयता की भावना पैदा की।

(ii) जमींदारी शोषण प्रथा को हिन्दू पैट्रियाट जैसे पत्रों मे शामिल किया गया।

(iii) आधुनिक मूल्यों का प्रसार कियागया, साथ ही क्रान्तिकारी गतिविधियों के सबंध मे जागरूकता फैलाई।

(iv) लोगों को संस्कृति ज्ञान तथा परम्परागत उद्योगो से प्रभावित नीतियो का प्रसार किया गया।

(v) औद्योगिकीकरण के प्रयास भी किए गए।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन मे कांग्रेस से पूर्व संगठन भी महत्ती भूमिका में मौजूद थे. इन्ही का प्रभाव था कि कांग्रेस अखिल भारतीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर सकी।

उम्मीदवार हाशिये में लिखना चा (Candidat not write margin)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)